□□□□ □□□□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न □ख□□: 987

07 □□□□□, 2020 □□ □□□□□□□□□□□ प्रश्□ □□ □त्त□

□□□प्र□□□ □□□□□□ □त□□

987. श्र□ □□□□□□□ □□□ □□□□□:

क्या स्वास्थ्य और परिवार □ल□□□ □त्र□ यह बताने को कृपा करगे कि:

(क) क्या सरकार लोगों के स्वास्थ्य पर नई दिल्ली म वायु प्रदूषण के प्रभाव से अवगत है, □□ □□;□□ □त□□□□ ब□□□□ क□□ □;□

(ख) क्या अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) सहित सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण म □□□□□ □□ किसी भी संगठन ने भारत के संदभ म सावजनिक स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के प्रभाव का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन किया है, □□ □□;□□ □त□□□□ ब□□□□ क□□ □;□

(□) □□ □□ों, तो वायु प्रदूषण और भारत के संदभ म मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के □□□ □श्व□□□□ □□□-□□□ □□□ स्थापित किए बिना सरकार किस प्रकार से वायु प्रदूषण के कारण होने वाले रोगों का मुकाबला करने का प्रस्ताव करती है;

(घ) क्या देश म कोई भी मौत वायु प्रदूषण के कारण हुई है; □□

(□) □□ □□;□□ □त□□□□ ब□□□□ क□□ □?

<u>□त्त□</u>

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य □त्र□ (श्र□ □श्वि□□ □□□□ □□□)□

(□): व्यापक रूप से उपलब्ध साहित्य के अनुसार यह ज्ञातव्य है कि वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्र□□□ □□□□□ □□

वायु गुणवत्ता स्तर के रिकाड किए गए और केन्द्रीय प्रदूषण बोड, नई दिल्ली □ो □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ यह पाया गया कि शीतकालीन मास (अक्तूबर से माच) के दौरान वायु गुणवत्ता खराब हो जाती है। प्रतीत होता है कि वायु गुणवत्ता स्तर के खराब होने से अस्पतालों के इमरजसी विभाग म सांस लेने म कठिनाई को □□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□ग के रोगियों विशेषकर संवेदनशील लोगों को संख्या म आनुपातिक वृद्धि □□□□ □□

(□): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा भारतीय लोक स्वास्थ्य प्रतिष्ठान और स्वास्थ्य मेट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान के सहयोग से "□ म्पैक्ट □□ □□□ □□□□□ □□ □थ□, □□□□□ □□□

एंड लाईफ एक्सपेक्टसी एक्रॉस द स्टेटस ऑफ इंडिया: □ ग□□□□ □□□ □□ □□□□□ स□□□ 2017" ि□□□ □□□ अध्ययन लांसेट पलेनेटरी हैल्थ 2018 म 6 दिसंबर 2018 को प्रकाशित हुआ। इस लेख के अनुसार 2017 म □□□□ □ 1.24 □□□□□□(1.09-1.39) मृत्यु हुईं जो कुल मौतों का 12.5% □□□प्र□□□ □□□□□□ हुईं □□□□ 0.67 □□□□□□ (0.55-0.79) परिवेशीय कणिकोय तत्व प्रदूषण और 0.48 मिलियन (0.39-0.58) □□□□□□□ प्र□□□ □□□□□□ हुईं। □□ □□□□□-समायोजित जीवन वष(डीएएलवाई) भारत म 2017 म वायु प्रदूषण □□ □□□□ □;□□□□□□□ □□□□□ □□म्न श्वा□□ □क्र□□ (29.3%) □□□□□□□ □□□□□□ □ष□□ □□□ (29.2%) □□ □स्□ो□□□□ हृ□□ □□□ □□(23.8%) □□ □□□□ (7.5%), □□□□ (6.9%) □□□ों □□ ;□□ ((1.8%) □□ □□□□□ि□□ (1.5%) □□□□□ □□□

□□□□ □□□□□□ □□ि□ज्ञा□ संस्थान (एम्स) म किया गया अध्ययन भी दशाता है कि उच्च स्तरीय वायु प्रदूषकों के निरंतर बावास्ता होने के कारण दिल्ली म 10-15% लोग आंखों म चिरकारी जलन और शुष्कता लक्षणों से ग्रस्□ □□□□

(□): भारत सरकार ने व्यापक रीति से वायु प्रदूषण को समस्या से निपटने के लिए जनवरी 2019 □ 2017 □□ □□□□ □□ □□□□हु□ 2024 □□ □□□□10 □□ □□□□ 2.5 □□□□□ □□ 20 □□30% □□ □□ □□□□□ □क्ष□ रखते हुए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कायक्रम (एनसीएपी) को शुरूआत को है। इसका समग्र उद्देश्य है कि देश भर म प्रभावी परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवक का संवधन और वायु प्रदूषण को रोकथाम, नियंत्रण और उपशमन सुनिश्चित करने के साथ साथ जन जागरूकता संबधन और क्षमता निमाण उपाय करना है।

योजना म 23 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 102 गैर-उपाजक राज्यों को, वष 2011 और 2015 के डाटा और विश्व स्वास्थ्य संगठन को 2014/2018 को रिपोट के आधार पर परिवेशीय वायु गुणवत्ता हेतु शामिल ि□□□ □□□ □□ □ल 86 नगर विशिष्ट काय योजनाओं को जमीनी कायान्वयन के लिए अनुमोदित किया गया है।

बिगड़ती वायु गुणवत्ता सूचकांक का श्वसन रूग्णता से लिक होने को संभाव्यता को दृष्टिगत करते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने निम्न गतिविधियों को शुरूआत को है:

- अस्पतालों के इंमरजसी विभाग म तीव्र श्वसन रूग्णता को दैनिक सटिनेल सविलांस को शुरूआत: □□म□ □ □□□ □स□□□□ों □ (□म□, □□□□□, □□□□□□□□ □ □□□□□□□□□) □□□□□□□□□, 2019 म दो और अस्पतालों म विस्तारित किया जाएगा (राष्ट्रीय तपेदिक और श्वसन रोग संस्थान □□ □ल□□ □□□ □□□□ □स□□□)
- अस्पतालों को श्वसन रूग्णता के प्रबंधन के लिए उपयुक्त उपाय करने के लिए फोड बैक प्रदान □□□□□
- सभी राज्यों के स्वास्थ्य विभागों को वायु प्रदूषण से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध म □□□-बार स्वास्थ्य एडवायज़री जारी करना। इस वष सितंबर-अत्तूबर, 2019 म स्वास्थ्य

एडवायज़री जारी को गई और फिर दीवाली के पश्चात पुन: जारी को गई जब एक्यूआई बहुत □□□□-□□□ स□□ □□□□□ □□□□□□ □□

- □□□प्रदूषण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध म आईईसी पोस्टर तैयार करना और इन्ह राज्य स्वास्थ्य विभागों से साझा करना।
- सोशल मीडिया पर वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव संबंधी अभियान भी चलाया गया (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र को वेबसाइट, ट्विटर □□□ □□ □□□ □□□ □□)
- राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को केन्दीय प्रदूषण नियंत्रण बोड द्वारा सूचीवद्ध उच्चतर प्रदूषित शहरों म कम से कम चार से पांच बड़े अस्पतालों म तीव्र श्वसन रूग्णता के लिए सटिनल सर्व□□□ □रू □□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□

(□) □□ (□): जबकि वायु प्रदूषण कई श्वसन रोगों के लिए उत्तेजक कारक जाना जाता है लेकिन वायु प्रदूषण के कारण होने वाले ऐसे मामलों और मौतों को विशिष्ट जानकारी नहों है।

......